
 Annu



 Deepanshu Deshwal

Close

# Participants (6)

-  Poonam Rathi (me, host)
-  Annu
-  Deepanshu Deshwal
-  Deepika pal+1499
-  Nisha Bhardwaj
-  vivo 1713

Invite


Mute All

Unmute All




Poonam Rathi


A video call window showing a man with glasses and a yellow shirt. The name 'Poonam Rathi' is displayed at the bottom of the window.




vivo 1713


A video call window with a grey placeholder icon for a person's profile. The name 'vivo 1713' is displayed at the bottom.



 Nisha Bhardwaj

A video call window with a grey placeholder icon for a person's profile. A microphone off icon is visible to the left of the name 'Nisha Bhardwaj'.



 Deepika pal+1499

A video call window with a grey placeholder icon for a person's profile. A microphone off icon is visible to the left of the name 'Deepika pal+1499'.

भाषा। पार्थक शब्दों की एक पुराहित संघ व्यवस्थित ठकार्ड हैं। \*संस्कृत की भाषा में शब्दों की ३\* शब्दों का पार्थक प्रयोग ही विषय-वस्तु तथा भाषा की अभिव्यक्ति की पार्थक या संभव बनाता है। प्रयोग के आधार पर शब्द के दो भेद किए गए जा सकते हैं। ① सामान्य शब्द ② तकनीकी शब्द (प्राथमिक शब्द)

सामान्य शब्द २ सामान्य शब्दों का संबंध जीवन और धर्म-दान आदि से है। अर्थात् सामान्य शब्दों का प्रयोग रोजमर्रा के व्यवहार विवरण बानी की रहल अभिव्यक्ति के लिए किया जाता है। किसी भी भाषा के मूल आधार से ही सामान्य शब्द हीने है जो क्रिया, संज्ञा, सर्वनाम विशेषण, क्रिया विशेषण आदि के रूप में विद्य व्यवहार में लाग जाते हैं। जैसे सामान्य शब्दों के आधार पर कोई भी व्यक्ति भाषा की शिक्ष सकते हैं। सामान्य शब्दों में लाल, नीला, चमक, पानी, मा-पितृ, चाना, गुआ, डोडा, गार्म, पीटी, दुध, पानी, मीठ, कुर्सी, जैसे सामान्य शब्दों की सीखना है। जीवन-दान, दानाण्य आदि में ही परल, सामान्य शब्दों का प्रयोग होता है। इस प्रकार कह सकते हैं कि अनुभव के आधार जीवन में व्यवहार में लाग जनी वने शब्द सामान्य शब्द कहलत है।

तकनीकी शब्द २ जो शब्द सामान्य व्यवहार की भाषा में प्रयुक्त ना होकर ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्रों में प्रिय एवं रोचक के साथ विशेष किनुं विशेष अर्थ में प्रयुक्त होने हैं। <sup>आधुनिक</sup> <sup>प्राथमिक</sup> शब्द कहते हैं।

प्रथम इस प्रकार प्रथम नकलीकी शब्दों के समूह की  
 नकलीकी शब्दावली कटा जा सकता है। आधुनिकी, प्वायन,  
 प्राणी विज्ञान, दूर-प्राण शास्त्र, गणित, आनुवंशिक विज्ञान,  
 कृत्रिम कंप्यूटर, इंजीनियरी, मानवीकी, सांख्यिकी आदि  
 शब्दों की आधिेशायन और संश्लेषण में विशेष अर्थ की  
 संश्लेषण नकलीकी शब्द प्रयोग में लाए जाते हैं। काल-काल  
 के अनुसार नकलीकी का अर्थ है तादृशिक काल,  
 विज्ञान तथा शैली विषय विषयक अथवा विज्ञानिक शब्दों के  
 लिए हैं, इसका नाकल्प हुआ है प्राथमिक शब्दों वर  
 है जो किशरी जल - विज्ञान के क्षेत्र में एक विशेष  
 तथा विशिष्ट अर्थ में समुचित किया जाता है।

नकलीक का अर्थ है 'काल' तथा शैली। नकलीकी  
 शब्दों वर शब्दों हैं जो किशरी विशिष्ट तथा  
 शब्दों वर समूहों का अर्थ है।

प्राथमिक शब्दों वर शब्दों का अर्थ है 'काल' तथा शैली।  
 शब्दों वर शब्दों हैं जो किशरी विशिष्ट तथा  
 शब्दों वर समूहों का अर्थ है।

नकलीकी शब्दों, कालिक, आधुनिक,  
 कंप्यूटर, तथा दूर-प्राण के क्षेत्रों में हैं।

Teacher's Signature: \_\_\_\_\_